मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 77, मुंबई, बुधवार, 5 मई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
# मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

# आंध्र प्रदेश में मिला कोरोना का नया स्ट्रेन

## मौजूदा वायरस से 15 गुना ज्यादा खतरनाक

### 3-4 दिन में ही ऑक्सीजन लेवल पर डालता है बुरा असर

### क्यों खतरनाक है कोरोना का नया वैरिएंट?

- फेफड़े तक सांस न जा पाने से मरीज की मौत होने का खतरा रहता है
- वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये स्ट्रेन युवाओं और बच्चों में फैल रहा है

- ये स्ट्रेन उन लोगों को भी नुकसान पहुंचा रहा, जिनकी इम्यूनिटी मजबूत है
- इसकी चेन नहीं तोड़ी गई तो दूसरी लहर और भी ज्यादा भयावह हो सकती है

**संवाददाता**

**नई दिल्ली।** कोरोना की दूसरी लहर के बीच आंध्र प्रदेश से परेशानी बढ़ाने वाली खबर है। यहां वायरस का नया स्ट्रेन मिला है। इसे AP Strain और N440K नाम दिया गया है। सेंटर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (CCMB) के वैज्ञानिकों का दावा है कि भारत में मौजूदा स्ट्रेन के मुकाबले नया वैरिएंट 15 गुना ज्यादा खतरनाक है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## देश में पहली बार 8 शेर कोरोना पॉजिटिव

### हैदराबाद के जू में कोरोना के लक्षण दिखने के बाद हुआ शेरों का आरटी-पीसीआर, सर्दी-खांसी के साथ भूख भी घटी

## रिटायर्ड मेजर जनरल बख्शी ने पूछा-कोरोना का म्यूटेशन चीन विरोधी देशों में ही क्यों हुआ

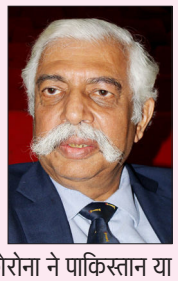

देश में कोरोना की दूसरी लहर व वायरस के बार-बार रूप बदलने यानी म्यूटेट होने के बीच रिटायर्ड मेजर जनरल जीडी बख्शी ने कुछ तार्किक सवाल किए हैं। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट कर पूछा कि कोरोना वायरस चीन के वुहान से निकला। वहां इसका कोई म्यूटेशन क्यों नहीं हुआ? इसका म्यूटेशन भारत में ही क्यों हुआ? पड़ोसी देशों में क्यों नहीं? रक्षा विशेषज्ञ बख्शी ने यह भी सवाल किया कि कोरोना ने पाकिस्तान या बांग्लादेश में रूप क्यों नहीं बदला? ब्रिटेन व यूरोप में इसका म्यूटेशन हुआ, जो कि चीन विरोधी देश हैं। बता दें, कोरोना वायरस की उत्पत्ति से लेकर उससे जुड़े तमाम मसलों में चीन घेरे में है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ समेत किसी संस्था ने उसे सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

## इंसानों से जानवरों में पहुंचा वायरस!

कोरोना संक्रमित शेरों में 4 नर और 4 मादा।

नेहरू जूलॉजिकल पार्क में 12 एशियाई शेर हैं।

वायरस का स्ट्रेन पता करने की कोशिशें जारी हैं।

**हैदराबाद।** देश में पहली बार एक साथ 8 शेरों के कोरोना पॉजिटिव होने का मामला सामने आया है। कोविड-19 से संक्रमित ये सभी एशियाई शेर हैदराबाद के नेहरू जूलॉजिकल पार्क (NZP) के हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 अप्रैल को ही जू प्रबंधन को ये बात बता दी गई थी। जू में काम करने वाले कर्मचारियों ने 24 अप्रैल को शेरों में कोरोना के लक्षण नोटिस किए थे। उनके मुताबिक शेरों की भूख में गिरावट देखी गई। उनकी नाक बह रही थी और उनमें सर्दी-खांसी जैसे लक्षण भी थे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

# कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों पर असर संभव

## बीएमसी ने शुरू की तैयारियां

**संवाददाता / मुंबई।** कोरोना वायरस का संक्रमण महाराष्ट्र में कहर मचा रहा है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि कोविड की तीसरी लहर में बच्चे भी कोरोना की बुरी तरह से चपेट में आ सकते हैं। इसे देखते हुए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और महाराष्ट्र सरकार मिलकर शहर में पीडियाट्रिक कोविड केयर वार्ड स्थापित कर रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

## पादुकोण फैमिली में कोरोना, दीपिका भी संक्रमित, पिता प्रकाश बेंगलुरु में हॉस्पिटलाइज, पॉजिटिव मां उज्जला और बहन अनिशा होम आइसोलेशन में

## 'महाराष्ट्र के 15 जिलों में कोविड-19 के मामलों में कमी'

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने मंगलवार को कहा कि मुंबई और ठाणे सहित 15 जिलों में कोविड-19 के प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों में गिरावट देखी जा रही है, लेकिन अन्य जिलों में मामलों में अभी भी बढ़ोतरी जारी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, सांगली, सतारा, बुलढाणा और कोल्हापुर सहित लगभग 20 जिलों में कोविड-19 मामले अभी भी बढ़ रहे हैं और हमारा लक्ष्य उन्हें कम करना है। उन्होंने कहा कि 15 जिलों- मुंबई, धुले, नांदेड़, भंडारा, ठाणे, नासिक, लातूर, नंदुरबार, नागपुर, औरंगाबाद, अमरावती, रायगढ़, ओसमाबाद, चंद्रपुर और गोंदिया में कोविड-19 के मामले रोज घट रहे हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

# संभलकर लॉकडाउन

**कोविड** संक्रमण की बेकाबू रफ्तार को देखते हुए कई विशेषज्ञ सरकार को यह सलाह दे चुके हैं कि वह संपूर्ण लॉकडाउन लगाने पर विचार करे। पिछले दिनों अमेरिकी सरकार के मुख्य स्वास्थ्य सलाहकार डॉक्टर एंटनी फौकी ने भी कहा है कि भारत में सरकार को कुछ वक्त के लिए लॉकडाउन लगाकर उस दरमियान अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की तैयारी करनी चाहिए। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से कहा है कि वे लॉकडाउन लगाने पर विचार करें। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि लॉकडाउन के दौरान जनता के, खासकर कमजोर वर्गों पर इसके आर्थिक-सामाजिक असर से हम वाकिफ हैं। पहले ही उन्हें सहायता देने की तैयारी की जानी चाहिए। महामारी को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन एक प्रभावी उपाय है, लेकिन पिछले साल के लॉकडाउन का जो हमारा अनुभव रहा है, उसके मद्देनजर अब सरकारें लंबे वक्त तक पूरा लॉकडाउन करने से हिचकिचा रही हैं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जब देश को संबोधित किया, तो उनके संबोधन का एक महत्वपूर्ण मुद्दा यही था कि हमें लॉकडाउन से यथासंभव बचना है। पिछले साल लंबे लॉकडाउन की वजह से लोगों के लिए रोजी-रोटी का संकट हो गया, बड़ी तादाद में प्रवासी मजदूर गांवों की ओर लौटने लगे, परिवहन के साधन बंद होने के कारण कई मजदूर हजारों मील पैदल चलकर या तरह-तरह से कष्ट उठाकर लौट पाए। इसके अलावा देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ा। एक और संकट यह खड़ा हुआ कि शहरों की घनी बस्तियों में बंद रहे मजदूरों में कोरोना फैलता गया और जब वे लॉकडाउन के बाद अपने गांवों या कस्बों में लौटे, तो वहां कोरोना का विस्फोट हो गया। इसी वजह से अब लॉकडाउन एक डरावना शब्द बन गया है। ऐसा नहीं है कि भारत में ही ऐसा हुआ, दुनिया के कई देशों में जहां लॉकडाउन का अनुभव इतना कठोर नहीं था, वहां भी लोग लॉकडाउन से आजीज आ गए हैं। यूरोप के कई देशों में कोरोना की तीसरी लहर आने पर जब लॉकडाउन लगाया गया, तो लोग विरोध में सड़कों पर आ गए। हालांकि, जैसी परिस्थिति अभी भारत में है, उसे देखते हुए पाबंदियां बढ़ाना जरूरी हो गया है। कई राज्यों में अलग-अलग मियाद के लॉकडाउन लगाए जा रहे हैं, हालांकि, कहीं भी वैसी सख्ती नहीं है, जैसी पिछले साल थी। यह खतरा भी है कि पिछले साल भारी आर्थिक नुकसान झेल चुके लोग अब कारोबार बंद होने पर आक्रोशित हो सकते हैं, सरकार भी और आर्थिक नुकसान सहने की स्थिति में नहीं है। अनुभव यह है कि अगर सीमित लॉकडाउन लगाया जाता है, तो वह ज्यादा फायदेमंद होता है अच्छा यही होगा कि राज्य सरकारों को स्थानीय परिस्थितियों के मद्देनजर लॉकडाउन का फैसला करने दिया जाए। लॉकडाउन की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ही सुप्रीम कोर्ट ने लॉकडाउन के पहले लोगों को राहत देने का इंतजाम करने की सलाह दी है। अगर केंद्र सरकार अभी लोगों को राहत देने का कोई व्यापक कार्यक्रम शुरू करे, तो राज्य सरकारों को लॉकडाउन के उपाय करने में आसानी होगी और लोगों की भी तकलीफें कम होंगी। किसी व्यापक राहत कार्यक्रम से जो आश्वस्ति का माहौल बनेगा, वह इस दौर से निकलने में मददगार हो सकता है।

# कहां गलत हुई भाजपा की रणनीति?

**पश्चिम बंगाल** के चुनाव नतीजों के बाद सोशल मीडिया में एक मजाक की खूब चर्चा है कि तृणमूल कांग्रेस राज्य की सभी 292 सीटों पर चुनाव जीत गई, 214 सीटों पर उसके उम्मीदवार दो पत्तियों के निशान पर जीते और बाकी कमल के फूल के निशान पर। यह बात भले मजाक में कही जा रही है पर यह भाजपा की सबसे बड़ी रणनीतिक भूल को दिखाती है। असल में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में सबसे बड़ी रणनीतिक गलती यही की थी कि तृणमूल कांग्रेस के लोगों के सहारे ही ममता बनर्जी को चुनौती दी थी। तृणमूल कांग्रेस के पुराने लोग भाजपा की रणनीति भी बना रहे थे और चुनाव भी लड़ रहे थे। भाजपा के नेताओं के जिम्मे सिर्फ प्रचार का काम था। प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर राज्यों के मुख्यमंत्री तक सब प्रचार में लगे थे और जमीन पर तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों से आए नेता चुनाव लड़ रहे थे। सो, पहली रणनीतिक गलती यह थी कि दूसरी पार्टियों से आए नेताओं के सहारे भाजपा चुनाव लड़ने उतरी। दूसरे राज्यों में भी भाजपा विपक्षी पार्टियों को तोड़ कर उनके नेताओं को भाजपा में शामिल कराती रही है पर उसका एक निश्चित अनुपात होता है। दाल में नमक के बराबर बाहर का नेता चल सकता है, आप पूरी दाल बाहर के नेताओं से नहीं बना सकते हैं। भाजपा ने मुकुल रॉय परिवार, शुभेंदु अधिकारी परिवार, अर्जुन सिंह परिवार आदि के सहारे पश्चिम बंगाल में ममता को मात देने का प्रयास किया था। इस रणनीति का फेल होना पहले दिन ही तय था क्योंकि पहले दिन से भाजपा के अपने लोगों ने खास कर जिला और प्रखंड स्तर के कार्यकर्ताओं ने इनका विरोध शुरू कर दिया क्योंकि वे दशकों से इन्हीं लोगों के खिलाफ लड़ते रहे थे। दूसरे, तृणमूल कांग्रेस से कई-कई बार विधायक रहे नेताओं के खिलाफ जमीनी स्तर पर मजबूत एंटी इन्कंबैंसी थी, जो चुनाव चिन्ह बदल देने से खत्म नहीं होने वाली थी। दूसरी रणनीतिक गलती चुनाव प्रचार में जरूरत से ज्यादा बाहरी नेताओं का चेहरा दिखाना था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश

के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय और केंद्र सरकार के दर्जनों मंत्रियों के जरिए प्रचार किया। इस एक रणनीतिक भूल के दो पहलू हैं। सबसे पहले तो भाजपा को समझना चाहिए था कि मोदी, शाह और योगी का चेहरा हर राज्य में चुनाव जिताने में सक्षम नहीं है। कई राज्यों में इसकी परीक्षा हो चुकी है। चूंकि इन चेहरों का ओवर एक्सपोजर हो चुका है इसलिए ये नेता एक किस्म का अलगाव या दूरी पैदा करते हैं- आम मतदाताओं में भी। दूसरा पहलू यह है कि पश्चिम बंगाल अपनी भाषा और अस्मिता को लेकर बहुत सजग राज्य है। यह हिंदी पट्टी के दूसरे राज्यों की तरह नहीं है, जहां उप राष्ट्रीयता कोई मुद्दा नहीं है। बंगाल में उप राष्ट्रीयता की मजबूत धारणा है। वहां के लोग बंगाली पहले हैं और भारतीय उसके बाद। ऐसे राज्य में सिर्फ बाहरी नेता, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, उसका प्रचार करना, कोई समझदारी का काम नहीं था।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के प्रचार के सहारे भाजपा का प्रयास ध्रुवीकरण सुनिश्चित करना था। हो सकता है कि इसमें उसे कुछ सफलता मिली हो पर भाजपा के नेता यह भूल गए कि ये चेहरे सिर्फ कट्टर हिंदुत्व के प्रतीक चेहरे ही नहीं हैं, बल्कि एक विफल प्रशासन के प्रतीक चेहरे भी हैं, खास कर कोरोना वायरस के प्रबंधन में विफलता का प्रतीक हैं। देश में कोरोना वायरस का संक्रमण भयावह होता जा रहा है तो उसका कारण केंद्र सरकार की अदूरदर्शिता और उसकी विफलता है। उत्तर प्रदेश में आज अगर अराजकता के हालात हैं तो उसका प्रतीक चेहरा योगी आदित्यनाथ हैं। भाजपा शायद यह भूल गई कि कोई भी चुनाव सिर्फ भावनात्मक मुद्दों पर नहीं लड़ा जाता है। हर चुनाव किसी न किसी मात्रा में गवर्नेंस के मुद्दे पर भी लड़ा जाता है। इस लिहाज से भी भाजपा की ओवर एक्सपोज्ड चेहरों के प्रचार के दम पर लड़ने की रणनीति विफल हुई। तीसरी रणनीतिक गलती यह हुई कि भाजपा ने ममता बनर्जी के मुकाबले कोई चेहरा पेश नहीं किया। भाजपा के नेता शुरू में तो इस प्रयास में लगे रहे कि किसी तरह से सौरव गांगुली पार्टी में शामिल हो जाएं तो उनको मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया जाए। लेकिन जब इसमें कामयाबी नहीं मिली तो भाजपा ने बिना चेहरे के लड़ने का फैसला किया। इसके पीछे भाजपा की यह भी सोच थी कि वह दिलीप घोष और मुकुल रॉय से लेकर स्वप्न दासगुप्ता और शुभेंदु अधिकारी जैसे अनेक नेताओं को अलग अलग क्षेत्रों में मुख्यमंत्री पद का दावेदार बता सकती थी। यह इतनी बचकानी रणनीति थी कि इसे सहज रूप से आम मतदाता समझ गया। चौथी रणनीतिक गलती आमने-सामने का चुनाव बनवाने की हुई। भाजपा ने यह गलती दिल्ली में की थी इसलिए इसे दोहराया नहीं जाना चाहिए था। दिल्ली में दिसंबर 2013 के चुनाव में कांग्रेस एक ताकत थी तो अरविंद केजरीवाल की तमाम लोकप्रियता के बावजूद भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। लेकिन नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 के चुनाव में समूचा फोकस केजरीवाल के ऊपर बना दिया तो आमने-सामने के चुनाव में केजरीवाल की पार्टी 70 में से 67 सीट जीत गई। पांच साल बाद 2020 के चुनाव में भी यही हुआ। इसी गलती को भाजपा ने बंगाल में दोहराया। उसने कांग्रेस, लेफ्ट और आईएसएफ के गठबंधन की आलोचना करने तक की जरूरत नहीं समझी। पूरा फोकस सिर्फ ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के ऊपर रहा। इसलिए अल्पसंख्यक वोट में कोई कंफ्यूजन नहीं रह गया कि भाजपा को हराने के लिए किसको वोट करना है। इस आमने-सामने की लड़ाई का नतीजा है कि कांग्रेस, लेफ्ट और आईएसएफ का मोर्चा पूरी तरह से फेल हुआ। उसे 10 फीसदी वोट भी नहीं मिल पाए। पांचवीं रणनीतिक गलती ममता बनर्जी के ऊपर निजी हमले की थी। पता नहीं क्यों मोदी और शाह ने चुनाव को इतना पर्सनलाइज्ड किया! उन्होंने या तो अपने ऊपर फोकस रखा या ममता बनर्जी के ऊपर।

# कोरोना से सीखें सबक

**पांच** राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद आशा थी कि सरकार, संचार माध्यमों और जनता का ध्यान पूरी तरह से कोरोना को काबू करने पर लगेगा लेकिन आज भी हताहतों के जो आंकड़े आ रहे हैं, वे दुखद और निराशाजनक हैं। यह ठीक है कि जगह-जगह तालाबंदी होने से मरीजों की संख्या में थोड़ी कमी बताई जा रही है लेकिन वह कितनी सही है, कुछ पता नहीं। हजारों-लाखों लोग तो ऐसे हैं, जिन्हें पता ही नहीं चल रहा है कि वे संक्रमित हुए हैं या नहीं ? वे डर के मारे डाक्टरों के पास ही नहीं जा रहे हैं। ज्यादातर लोगों के पास पैसे ही नहीं हैं कि वे डाक्टरों की हजारों रु. की फीसें भर सकें। अस्पतालों में उनके भर्ती होने का सवाल ही नहीं उठता। अस्पतालों का हाल यह है कि सेवा-निवृत्त राजदूत, जाने-माने फिल्मी सितारे और नेताओं के रिश्तेदार तक अस्पताल में भर्ती होने के इंतजार में दम तोड़ रहे हैं। जो लोग अपने रसूख के दम पर किसी अस्पताल में पलंग पा जाते हैं, वे भी कराह रहे हैं। जो लोग महलनुमा बंगलों में रहने के

आदी हैं और घर से बाहर वे पांच-सितारा होटलों में ही रुकते हैं, ऐसे लोग या तो कई मरीजों वाले कमरों में पड़े हुए हैं या अस्पताल के बरामदे में लेटे हुए हैं। कई लोग भर्ती नहीं हो पाते तो वह अपनी कार या ठेले पर पड़े-पड़े ऑक्सीजन लेकर अपनी जान बचा रहे हैं लेकिन अफसोस है कि परेशानी के इस माहौल में हमारे देश में ऐसे नरपशु भी हैं, जो दवा और इंजेक्शनों की कालाबाजारी बड़ी बेशर्मी से कर रहे हैं। पिछले 15-20 दिनों में ऐसी खबरें रोज आ रही हैं। लोग ऑक्सीजन की कमी से कई शहरों में रोज मर रहे हैं और उसके सिलेंडरों की सरे-आम कालाबाजारी हो रही है। मेरी समझ में नहीं आता कि हमारी अदालतें और सरकारें क्या कर रही हैं? वे विशेष अध्यादेश जारी करके इन लोगों को फांसी पर तुरंत क्यों नहीं लटकाती? मुझे अमेरिका, चीन, यूरोप और जापान आदि देशों में बसे भारतीय मित्रों ने बताया कि वे करोड़ों रु. इकट्ठा करके सैकड़ों ऑक्सीजन-यंत्र और इंजेक्शन भेज रहे हैं, हमारे उद्योगपतियों ने अपने कारखानों की ऑक्सीजन अस्पतालों के लिए खोल दी है और सरकार दावा कर रही है कि ऑक्सीजन की कमी नहीं है, फिर भी देश के अस्पतालों में अफरा-तफरी क्यों मची हुई है? अब यह कोरोना शहरों से निकलकर गांवों तक पहुंच गया है और मध्यम और निम्न वर्ग में भी उसकी घुसपैठ हो गई है। जिन लोगों के पास खाने को पर्याप्त रोटी भी नहीं है, उनके इलाज का इंतजाम मुफ्त क्यों नहीं होता और तुरंत क्यों नहीं होता? देश के करोड़ों समर्थ लोग आगे क्यों नहीं आ रहे हैं? क्या कोरोना से उन्होंने कोई सबक नहीं सीखा? सब यहीं धरा रह जाएगा। खाली हाथ ही ऊपर जाना है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प ) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# टीकाकरण का नया तरीका

## अब कार में बैठे-बैठे लगेगी कोरोना की वैक्सीन, मुंबई में शुरू हुआ ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर

**मुंबई।** मुंबई के दादर स्थित कोहिनूर सोसाइटी की पार्किंग में देश का पहला 'ड्राइव इन' कोरोना वैक्सीन केंद्र शुरू हुआ है। इस केंद्र की शुरूआत बृहनमुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की और की गई है। इस टीकाकरण केंद्र पर लोगों को सिर्फ अपनी गाड़ी से आना है और उन्हें कार में बैठे-बैठे ही वैक्सीन लगा दी जाएगी। जिनके पास कार या गाड़ी नहीं है उनके लिए शिवसेना

की ओर से गाड़ी मुहैया करवाई जाएगी। यह गाड़ी टीका लगवाने वाले को घर तक छोड़ कर आएगी। इटउ की ओर से यह नया प्रयास संक्रमण को रोकने के लिए किया गया है। राहुल शेवाले ने बताया कि अगर यह प्रयोग सफल रहा तो आने वाले दिनों में पहले मुंबई की सभी पार्किंग में और फिर पूरे राज्य में इस तरह का 'ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर' बनाया जाएगा।

**यह बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए फायदेमंदः** जी/नॉर्थ वार्ड के सहायक आयुक्त किरण दिघावकर ने बताया, 'हमारे सात बूथों पर प्रतिदिन 5,000 लगों को टीका लगाने की क्षमता है। इनमें से दो बूथ ड्राइव-इन के लिए रखे गए हैं। इसमें से आज पहला बूथ शुरू किया गया है।' उन्होंने कहा कि पार्किंग बूथ में 60 से 70 वाहनों के लिए पर्याप्त जगह है। यहां एक रजिस्ट्रेशन स्टॉल भी जल्द लगाया जाएगा। यह बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए फायदेमंद होगी।

**मुंबई में 8 लाख 64 हजार लोगों का हुआ टीकाकरणः** फिलहाल मुंबई और महाराष्ट्र के वैक्सीनेशन सेंटर्स वैक्सीन की किल्लत से जूझ रहे हैं। लोगों को टीकाकरण केंद्रों खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। मुंबई में अब तक 18 से 44 के 2394 लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है, जबकि 45+ के 8 लाख 62 हजार लोग टीका लगवा चुके हैं।

# महाराष्ट्र ने केन्द्र से की ऑक्सीजन कोटा बढ़ाए जाने की मांग

**संवाददाता**

**मुंबई।** कोविड-19 महामारी से गंभीर रूप से जूझ रहे महाराष्ट्र ने ऑक्सीजन की बढ़ती हुई मांग का हवाला देते हुए केन्द्र सरकार से तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन (एलएमओ) का कोटा बढ़ाए जाने की मांग की है। महाराष्ट्र सरकार ने केन्द्र से अपील की है कि उसका एलएमओ कोटा कम से कम 200 मीट्रिक टन बढ़ाया जाए ताकि राज्य में ऑक्सीजन की मांग के अनुरूप आपूर्ति हो सके। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने इस संबंध में केन्द्रीय कैबिनेट सचिव राजीव गौबा को तीन मई को पत्र लिखकर ऑक्सीजन का कोटा बढ़ाए जाने के लिये 10 एलएमओ टैंकरों की भी मांग की है। महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि गुजरात के जामनगर से इस समय 125 मीट्रिक टन और भिलाई से 130 मीट्रिक टन ऑक्सीजन

प्रतिदिन आ रहा है जिसे बढ़ाकर क्रमशः 225 और 230 मीट्रिक टन किया जाना चाहिए। कुंटे ने कहा, जामनगर और भिलाई भौगोलिक रूप से काफी नजदीक हैं, इसलिए यहां से आ रहे ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाया जाना चाहिए ताकि ऑक्सीजन टैंकरों पर निर्भरता को कम किया जा सके। इससे हमें दैनिक मांग के अनुरूप ऑक्सीजन मिलेगा और उसका बेहतर प्रबंधन भी आसान हो जायेगा। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव ने बताया कि इस समय राज्य में कोरोना वायरस के 6,63,758 उपचाराधीन मरीज हैं, जिसमें से 78,884 रोगी ऑक्सीजन पर हैं जबकि 24,787 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं। कुंटे ने कहा कि पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सतारा, सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर, नंदुरबार, बीड, परभणी, हिंगोली, अमरावती, बुलढाणा, वर्धा, गढ़चिरौली और चंद्रपुर समेत 16 जिलों में कोरोना संक्रमण के नये मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है जिसके कारण ऑक्सीजन की मांग काफी बढ़ गयी है।

# कानूनी सलाह

*दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।*

### आज का विषय

### उपभोक्ता कैसे तय करे की उनका केस किस उपभोक्ता अदालत में फाइल होगा?

**उत्तरः** उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैः

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम (DCDRF): यदि दावे का मूल्य 20 लाख तक का है। राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (DCDRF): यदि दावे का मूल्य 20 लाख से अधिक है लेकिनै एक करोड़ के भीतर है। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (DCDRF) यदि दावे का मूल्य एक करोड़ से अधिक है।

**जिला फोरम**

प्रत्येक जिले में एक जिला फोरम है। जिला फोरम में तीन सदस्य होते हैं। तीन में से, एक अध्यक्ष है, जो जिला है या है या जज है। सदस्यों में से एक महिला होगी। यह उन शिकायतों को दर्ज करता है जहां दावे का मूल्य 20 लाख तक है।

**राज्य आयोग**

- प्रत्येक राज्य में एक राज्य आयोग है।
- इसमें एक अध्यक्ष होता है, और दो न्यायाधीश होते है और अन्य सदस्यों में से एक महिला अध्यक्ष होती है ।
- यहां दावे का मूल्य 20 लाख से एक करोड़ तक है।
- राज्य में जिला फोरम के आदेशों के खिलाफ अपील भी दायर की जा सकती है।

**राष्ट्रीय आयोग**

- राष्ट्रीय आयोग स्थित है दिल्ली में।
- इसमें एक अध्यक्ष होता है जो सुप्रीम कोर्ट के जज रहे हैं और चार अन्य सदस्यों से कम नहीं और एक महिला अध्यक्ष होती है।
- दावे का मूल्य एक करोड़ से अधिक होनी चाहिए. यह राज्य आयोगों द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपील करता है।
- इस आयोग के आदेशों को केवल उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।

**आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।**
**Dr. S.P. Ashok**
**B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)**

(पृष्ठ 1 का शेष)

**आंध्र प्रदेश में मिला कोरोना का नया स्ट्रेन**

हैदराबाद स्थित CCMB काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च के तहत काम करता है। दक्षिण भारत में अब तक कोरोना के 5 वैरिएंट मिल चुके हैं। इनमें AP Strain आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में काफी तेजी से फैल रहा है। इसका असर महाराष्ट्र में भी देखा जा रहा है। नए वैरिएंट से संक्रमित होने वाले मरीज 3-4 दिनों में हाइपोक्सिया या डिस्पनिया के शिकार हो जाते हैं। इस स्थिति में सांस मरीज के फेफड़े तक पहुंचना बंद हो जाती है। सही समय पर इलाज और ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं मिलने पर मरीज की मौत हो जाती है। भारत में इन दिनों इसी के चलते ज्यादातर मरीजों की मौत हो रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर समय रहते इसकी चेन को तोड़ा नहीं गया तो कोरोना की ये दूसरी लहर और भी ज्यादा भयावह हो सकती है, क्योंकि ये मौजूदा स्ट्रेन बी.1617 और बी.117 से कहीं ज्यादा खतरनाक है। 'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वायरस आंध्र प्रदेश की राजधानी विशाखापट्टनम समेत दूसरे हिस्सों में फैल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सबसे पहले इस स्ट्रेन की पहचान आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुई थी। ये आम लोगों के बीच काफी तेजी से फैला है। सबसे चिंता की बात ये है कि यह वैरिएंट अच्छी इम्यूनिटी वाले लोगों को भी चपेट में ले रहा है। इस स्ट्रेन के कारण लोगों के शरीर में साइटोकाइन स्टॉर्म की समस्या आती है। विशाखापट्टनम के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर वी विनय चंद ने बताया कि हम अब भी नए स्ट्रेन के बारे में पता लगा रहे हैं। इसके सैंपल एनालिसिस के लिए CCMB भेजे गए हैं। एक बात तय है कि पिछले साल आई पहली लहर के दौरान हमने जो वैरिएंट देखा था, यह उससे काफी अलग है।

**देश में पहली बार 8 शेर कोरोना पॉजिटिव**

लक्षण दिखने के बाद कर्मचारियों ने इस बात की जानकारी जू प्रबंधन को दी। प्रबंधन ने सभी का टेस्ट कराने का निर्णय लिया। सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (CCMB) ने बताया था कि 8 शेरों की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। नेहरू जूलॉजिकल पार्क में टोटल 12 एशियाई शेर हैं। इनमें 4 नर और 4 मादा पॉजिटिव हैं। जू के डायरेक्टर सिद्धानंद कुकरेती ने कहा कि ये बात सही है कि शेरों में कोरोना के लक्षण पाए गए हैं, लेकिन हमें अभी तक अधिकारिक तौर पर उनकी कोरोना रिपोर्ट नहीं मिली है। फिलहाल जू के सभी शेर स्वस्थ हैं। शेरों के तालू के निचले हिस्से से स्वाब के नमूने लिए गए थे। इन्हें जांच के लिए हैदराबाद की CCMB लैब में भेजा गया। बताया जा रहा है कि इस लैब में शेरों के सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग की जाएगी, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि ये वायरस का कौन सा स्ट्रेन है और जू तक कैसे पहुंचा। प्रबंधन ने जू को आम जनता के लिए बंद कर दिया है। नेहरू जूलॉजिकल पार्क हैदराबाद की घनी आबादी क्षेत्र में बना हुआ है। सरकार ने कुछ दिन पहले ही वायरस के हवा के जरिए फैलने की बात कही थी।

**कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों पर असर संभव**

कोविड की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पिछले हफ्ते राज्य के सभी जिला कलेक्टरों और नगरपालिका आयुक्तों को कोविड के तीसरे हमले के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे जो मुंबई उपनगरीय जिले के संरक्षक मंत्री हैं, उन्होंने इस संबंध में बीएमसी मेयर किशोरी पेडनेकर, अतिरिक्त नगर आयुक्त संजीव जायसवाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ चर्चा की है। उन्होंने बीएमसी को अगली लहर की आशंका वाले अलग-अलग पीडियाट्रिक कोविड केयर वार्ड बनाने का सुझाव दिया है। आदित्य ठाकरे ने कहा, पिछले साल से हमारे जंबो पीडियाट्रिक कोविड केयर सेंटर में कोविड डायलिसिस और मैट्रर्न केयर की यूनिट भी हैं। जैसा कि वायरस अलग-अलग आयु समूहों को प्रभावित करता है, हमारी प्रतिक्रिया भी सक्रिय रूप से बदलनी चाहिए। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के नवीनतम स्वास्थ्य आंकड़ों के अनुसार, राज्य के लगभग दो-तिहाई संक्रमणों की रिपोर्ट अब 50 से कम आयु वर्ग में है। 31 से 40 साल के मामले 22.09 प्रतिशत, 41 से 50 साल वालों में 18.15 प्रतिशत और 21-30 वर्ष के लोगों में 17.51 प्रतिशत रोगी शामिल हैं।

# श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 400 वां प्रकाश पर्व धूम धाम से सायन कोलीवाड़ा में मनाया गया

**मुंबई।** श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 400वां साल के प्रकाश पर्व के अवसर पर श्री दशमेश दरबार गुरुद्वारा सायन कोलीवाड़ा में मनाया गया। माननीय खासदार पूनम ताई महाजन के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष सुषम जी सावत नगरसेवक लीडर सिंह जी भारतीय जनता पार्टी उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई पंजाबी सेल संयोजक महामंत्री दिपेंद्र सिंह मुंबई के अध्यक्ष मदन मल्होत्रा जी और दक्षिण सेल के अध्यक्ष बीजेपी के पंजाबी सेल अनिल मेहताजी और गुरुद्वारा के सभी ट्रस्टी श्री दया सिंह अरोड़ा और परमजीत सिंह अरोड़ा बीजेपी पंजाबी सेल अध्यक्ष उत्तर मध्य मुंबई और टीम को श्री दशमेश दरबार गुरुद्वारे में सम्मानित किया गया।

# मुंब्रा में गरीबों के लिए राशन वितरण

**मुंबई।** मंगलवार, 4 मई 2021 नवी-मुंबई स्थित गैर-सरकारी संगठन, होपमिरर फाउंडेशन ने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने के लिए एक और पहल की। होपमिरर फाउंडेशन एक संगठन है जिसे रमजान शेख द्वारा स्थापित किया गया है, जो एक गैर सरकारी संगठन है, जिसमें कोविड -19 महामारी के दौरान गरीबों की मदद करने पर प्राथमिक ध्यान दिया गया है। महामारी ने हमें कई तरह से प्रभावित किया है विशेष रूप से वे लोग जो अपने अस्तित्व के लिए अपनी दैनिक कमाई पर निर्भर थे। होपमिरर टीम उन लोगों के लिए दिन बचाने के लिए पहुंची, जो सबसे अधिक पीड़ित हैं। टीम ने अमृतनगर, कौसा, मुंब्रा के जरूरतमंद लोगों राशन किट वितरित किए। स्वयंसेवकों ने राशन के वितरण के दौरान फेस मास्क पहनने और हाथ सेनाइटिस का उपयोग करके आवश्यक स्वच्छता संबंधी सावधानियां बरतीं। एनजीओ गरीबों को खाना खिलाने के अलावा कई अन्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। राशन वितरण को जो प्रतिक्रिया मिली वह अद्भुत थी। रमजान शेख ने कहा, पूरी टीम, सहयोगियों, स्वयंसेवकों और दाताओं के लिए धन्यवाद, बहुत से लोग अब खाली पेट नहीं सोएंगे। सभी ने हमें जो समर्थन दिया है, उसका बहुत मतलब है और हम अभी भी हर किसी की जरूरत में मदद करना जारी रखेंगे। होपमिरर फाउंडेशन ने निश्चित रूप से एक उदाहरण दिया है कि ये पहल कैसे समाज में एक क्रांतिकारी बदलाव का कारण बन सकती हैं और आपके द्वारा दिए गए समर्थन का भी स्वागत करती हैं क्योंकि हर प्रयास मायने रखता है।

## विपक्ष की एकता के लिए काम करेंगे पवार: राकांपा

**मुंबई।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने मंगलवार को कहा कि उसके प्रमुख शरद पवार विपक्षी दलों और खास तौर पर क्षेत्रीय दलों का एकीकृत मोर्चा बनाने का प्रयास करेंगे। राकांपा के प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के बयान को उद्धृत करते हुए यह बात यहां संवाददाताओं से कही। बनर्जी ने कहा कि विपक्ष की एकता जरूरी है। मलिक ने कहा, शरद पवार ने भी बंगाल चुनावों से पहले सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास किया। अगले कुछ दिनों में पवार विपक्षी दलों और खास तौर पर क्षेत्रीय दलों की एकता के लिए काम करेंगे। बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं की निंदा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल 100 दिनों तक निर्वाचन आयोग के प्रभार में रहा। चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंसा की खबरें आईं...जवाबदेही तय करने की जरूरत है। चुनाव प्रचार के दौरान और चुनाव परिणाम के बाद हिंसा की निंदा करने की जरूरत है। भाजपा को निशाना बनाते हुए मलिक ने कहा कि भगवा दल को नफरत की राजनीति बंद करनी चाहिए और ममता बनर्जी सरकार को काम करने देना चाहिए।

HEALTH CARE CLINIC
FAMILY PHYSICIAN & SURGEON
Dr. T N Teti (B.A.M.S.)
Mob : 9372912058
8852298775
Clinic Timing : 9:30 am to 10:30 pm
Shop 349 Plot 19, Gate No. 5 Malwani Malad (W), Mumbai : 400095

# केंद्र की सलाह: जहां संक्रमण ज्यादा, वहां 14 दिन का सख्त लॉकडाउन

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस महामारी की भयावह रफ्तार को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि जिन इलाकों में संक्रमण ज्यादा है, वहां पर 14 दिन का सख्त लॉकडाउन लगाया जाए, ताकि संक्रमण की कड़ी तोड़ने में मदद मिल सके। केंद्र ने राज्यों से उन इलाकों की जानकारी जुटाने के लिए कहा है जहां संक्रमण दर 10 फीसदी या उससे अधिक है। इन इलाकों में स्थानीय तौर पर लॉकडाउन लगाया जा सकता है। इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार शाम से मंगलवार सुबह सात बजे तक के लॉकडाउन को बढ़ाकर छह मई सुबह सात बजे तक कर दिया है। उधर, चंडीगढ़ में

भी 11 मई तक लॉकडाउन लगाया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा, संक्रमण दर अधिक होने के अलावा अगर किसी एक विशेष स्थान पर सबसे ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं या फिर जहां मरीजों की संख्या ज्यादा है तो वहां भी स्थानीय लॉकडाउन लगाया जा सकता है। हालांकि, केंद्र ने पूरे राज्य या फिर जिले में लॉकडाउन लगाने की सिफारिश नहीं की है। मंत्रालय के अनुसार, देश में करीब 250 जिले ऐसे हैं जहां कोरोना की संक्रमण दर 10 फीसदी या उससे अधिक है। पिछले एक सप्ताह के दौरान इन जिलों की स्थिति में थोड़ा सुधार भी हुआ है। सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे नए सिरे से उन जिलों या स्थान की पहचान करें जहां सबसे ज्यादा मामले मिल रहे हैं। कई बार यह भी देखने को मिल रहा है कि एक ही जिले में एक गांव या कस्बा सबसे अधिक प्रभावित है, जबकि अन्य स्थानों पर संक्रमण का एक भी मामला नहीं है। ऐसी स्थिति में पूरे जिले में लॉकडाउन लगाने से बेहतर होगा कि संक्रमण प्रभावित गांव या कस्बे में ही 14 दिन का लॉकडाउन लगाया जाए।

**22 राज्यों में संक्रमण दर 15 फीसदी से ज्यादा:** मंत्रालय ने दूसरी लहर के कमजोर पड़ने के शुरुआती संकेत मिलने का दावा किया है। हालांकि, अगर संक्रमण दर पर गौर भी किया जाए तो अभी 22 राज्य ऐसे हैं, जहां यह 15 फीसदी से अधिक है। इनके अलावा नौ राज्यों में संक्रमण दर 5 से 15 फीसदी और केवल पांच राज्यों में यह पांच फीसदी से कम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पांच फीसदी संक्रमण दर तक स्थिति आसानी से नियंत्रित की जा सकती है।

**कोविड राहत सामग्री के आयात पर आईजीएसटी में छूट:** सरकार ने कोविड संबंधी राहत सामग्री के आयात एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) पर 30 जून तक छूट दे दी है। यह छूट उन सभी राहत सामग्री पर दी गई है, जो मुफ्त में बांटने के लिए दान में दी गई है या फिर भारत के बाहर मुफ्त में मिली हो। यह छूट उन वस्तुओं पर भी लागू होगी, जिनका पहले ही आयात किया जा चुका है, मगर सीमाशुल्क बंदरगाहों से हरी झंडी नहीं मिली है।

# कोरोना : कुछ राज्यों में स्थिरता के संकेत

## दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पंजाब में दैनिक मामलों में ठहराव

■ स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, ये बहुत शुरुआती संकेत हैं

■ संवाददाता / नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कुछ राज्यों में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के प्रारंभिक संकेत मिल रहे हैं जबकि कुछ राज्यों में चिंता का विषय बना हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पंजाब में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं जबकि बिहार, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में दैनिक मामलों में वृद्धि के रुझान दिखाई दे रहे हैं।

अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ में 29 अप्रैल को 15,583 मामले सामने आए थे जबकि दो मई को 14,087 मामले सामने आए। दिल्ली, दमन और दीव, गुजरात, झारखंड, लद्दाख, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। जिलों के संबंध में अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग, गरियाबंद, रायपुर, राजनांदगांव, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, गुना, शाजापुर, लद्दाख के लेह और तेलंगाना के निर्मल में पिछले 15 दिनों में मामलों में गिरावट के संकेत मिले हैं। महाराष्ट्र के 12 जिलों में भी पिछले 15 दिन में गिरावट के संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, ये बहुत शुरुआती संकेत हैं और इनके आधार पर स्थिति का विश्लेषण करना जल्दबाजी होगी। जिला और राज्य स्तर पर रोकथाम के प्रयासों को जारी रखना महत्वपूर्ण है ताकि हम इस बढ़त को बरकरार रखते हुए मामलों पर लगाम लगा सकें।

अग्रवाल ने कहा, कुछ बातें चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि 12 राज्य ऐसे हैं जहां उपचाराधीन रोगियों की संख्या एक लाख से अधिक हैं। इनमें महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु शामिल हैं। सात राज्यों में मरीजों की तादाद 50 हजार से एक लाख और 17 राज्यों में 50 हजार से कम है। उन्होंने कहा कि 22 राज्य ऐसे हैं जहां संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक है। नौ राज्यों में संक्रमण दर 5 से 15 प्रतिशत के बीच है और पांच राज्यों में यह पांच प्रतिशत से कम है।

### सीटी स्कैन के लिए न करें जल्दबाजी

एम्स के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने हल्के कोविड-19 लक्षणों में सीटी स्कैन की जल्दबाजी को लेकर आगाह करते हुए कहा कि इसके दुष्प्रभाव होते हैं और फायदे से अधिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा, एक सीटी स्कैन 300 से 400 छाती एक्सरे के समान होता है। आंकड़ों के अनुसार युवा अवस्था में बार-बार सीटी स्कैन कराने से बाद में कैंसर होने का खतरा पैदा हो जाता है। बार-बार रेडिएशन से गुजरने से बहुत नुकसान हो सकते हैं। लिहाजा, यदि ऑक्सीजन का स्तर सामान्य है तो कोविड-19 के हल्के लक्षणों में सीटी स्कैन कराने की कोई जरूरत नहीं है।

## 3,68,147 नए मामले, 3417 मरीजों की मौत

दिल्ली (संवाददाता)। देश में सोमवार को कोविड-19 के 3,68,147 नए मामले आए तथा 3417 और मरीजों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, नए मामलों के साथ संक्रमितों की कुल संख्या 1,99,25,604 जबकि मृतक संख्या 2,18,959 हो गई है। देश में एक मई को संक्रमण के रिकॉर्ड 4,01,993 नए मामले आए थे, वहीं दो मई को 3,92,488 मामले सामने आए थे। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 34,13,642 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 17.13 प्रतिशत है। वहीं, कोविड-19 से ठीक होने की दर 81.77 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 1,62,93,003 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि मृत्यु दर 1.10 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 3417 लोगों की मौत हुई। देश में संक्रमण से कुल मिलाकर 2,18,959 लोगों की मौत हुई है।

### बिहार में 11407 नए मरीज

पटना (संवाददाता)। सूबे में कोरोना के 11407 नए मरीज मिले हैं। पटना में 2028, वैशाली में 1035, गया में 662 व मुजफ्फरपुर में 653 नए मरीज मिले हैं। इसी तरह बिहार में सोमवार को कुल 72658 लोगों की कोरोना जांच की गई।

## 'इजरायल से सबक लें, 90% से ज्यादा का टीकाकरण'

**मुंबई।** बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोरोना वायरस से निपटने को लेकर इजरायल का उदाहरण दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि इजराइल से सबक लीजिए। उसने अपनी 90 फीसद से अधिक जनसंख्या का टीकाकरण कर दिया और इस तरह राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाने से कई गुना बचत की। लॉकडाउन से होने वाले नुकसान से बचने के लिए बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर कोविडरोधी टीके खरीदे। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और औरंगाबाद नगर निकाय के अधिकारियों से कहा कि वे जिले में विद्युत एवं एलपीजी शवदाह गृह बनाने के लिए उद्योगपतियों और स्थानीय कॉरपोरेट समूहों से कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत दान देने की अपील करें। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति भालचंद्र देबडवार की पीठ ने यह निर्देश तब दिया जब उसे बताया गया कि वर्तमान में औरंगाबाद जिले में एक भी विद्युत या एलपीजी शवदाह गृह नहीं है। अदालत स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई कर रही थी जो आवश्यक रूप से मास्क पहनने, महामारी से जान गंवाने वालों के उचित अंतिम संस्कार, चिकित्सीय ऑक्सीजन की कमी और रेमडेसिवियर दवा की कालाबाजारी जैसे मुद्दों से जुड़ी विभिन्न खबरों पर आधारित है।

## पश्चिम बंगाल चुनाव में हार के लिए भाजपा का 'अहंकार' भी जिम्मेदार : शिवसेना

**मुंबई।** शिवसेना ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के कारणों में भाजपा का 'अहंकार' भी शामिल है। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि महाराष्ट्र में सत्ता से बाहर रहने के लिए भाजपा की 'असहिष्णुता' जिम्मेदार थी। यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आयी है जब कुछ दिन पहले महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने राज्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री छगन भुजबल को भाजपा के बारे में बोलने के दौरान संभलकर शब्दों का इस्तेमाल करने को कहा था। भुजबल ने पश्चिम बंगाल चुनाव के संदर्भ में भाजपा के बारे में कुछ टिप्पणी की थी। संपादकीय में सवाल किया गया, महाराष्ट्र कब इतना असहिष्णु हो गया? 'सामना' में कहा गया, 'पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में हार के लिए भाजपा का 'अहंकार' भी जिम्मेदार है।' शिवसेना ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हार के कारण भाजपा महाराष्ट्र में पंढरपुर सीट पर उपचुनाव में जीत का जश्न भी नहीं मना पा रही। महाराष्ट्र में विधानसभा की एक सीट पर हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ एमवीए को झटका लगा है। भाजपा उम्मीदवार समाधान आवताडे ने सोलापुर में पंढरपुर-मंगलावेधा विधानसभा सीट पर उपचुनाव में राकांपा उम्मीदवार को 3700 से ज्यादा मतों से हरा दिया।

fresh & easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN :
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



## बुलढाणा हलचल

# कोरोना काल में शरीर की कैसे बढ़ेगी इम्यूनिटी, मिलावटखोर दूध में पानी मिलाकर कर रहे दूध को कमजोर, खाद्य सुरक्षा विभाग की अनदेखी

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** कोरोना काल में डॉक्टर सेहतमंद बनने और ईम्युनिटी को बरकरार रखने के लिए दूध पीने की सलाह दे रहे हैं। जिला सहित शहर में कई डेरीयों पर, दुध मे पानी और पैकेट दूध मिलाकर बेचा जा रहा है। नगरवासीयों से दुगनी रक्कम वसुल रहे है। इस दुध को पीने से सेहत में सुधार तो नहीं होगी, उल्टे हमारी इम्युनिटी कमजोर हो रही हैं। शहर में धड़ल्ले से दूध मे पानी मिलाकर बेचा जा रहा है। इससे खाद्य सुरक्षा विभाग की अन्देखी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। शुद्ध दूध पानी या दुसरा दुध मिक्स करने से

मौजूद सेहत सुधारने से जुड़े आवश्यक तत्व जैसे कि कैल्शियम, मिनिरल, कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है। वहीं, पानी साफ न होने से डायरिया, हैजा बीमारी होने की भी संभावना रहती है। जिले में किसी भी व्यक्ति को शुद्ध दूध नहीं मिल पा रहा है। बताया जा रहा है के 60से 70 रुपए लीटर तक बेचे जाने वाले भैंस के दूध में पानी और पॅकेट का दुध मिलाया जा रहा है। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर शुद्ध दूध का दाम चुकाने वाले ग्राहक को आखिर दुध मे मिलावट कर के क्यों बेचा जा रहा है। जबकि लोगों से शुद्ध दूध के रुपए वसूले जा रहे हैं। नागरिकों ने संबधित विभाग से मिलावटखोरों पर कारवाई की मांग कि है। ताके कोरोना काल मे लोगों स्वस्थ के लिए शुद्ध दुध मिल सके।

# जिले में पहला कोविड आयसोलेशन सेंटर किन्होळा वासीयों ने बनाया, कोविड केंद्र का किन्होळापैटर्न

## पूरे जिले में सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से लागू किया जाएगा: कलेक्टर राममूर्ति

**बुलडाणा।** कोरोना के बढ़ते प्रकोप के कारण, कुछ स्थानों में कोविड आयसोलेशन केंद्र भरे हुए हैं। गाँव -गांवों कोरोना में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में, अगर गाँव में एक अलगाव केंद्र स्थापित किया जाता है, तो कोरोना को काबु मे किया जा सकता है। दूसरी ओर, प्रक्रिया में देरी के लिए सरकार पर निर्भर होने के बजाय, हमें जन भागीदारी के माध्यम से आयसोलेशन केंद्र स्थापित करने चाहिए और एकजुटता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से कोरोना को दूर करना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, ग्रामीणों ने चिखली तालुका के किन्होळा गांव में जिले में पहला कोविड आयसोलेशन केंद्र स्थापित किया है। जन भागीदारी से लोगों के लिए शुरू किया गया आयसोलेशन केंद्र की कलेक्टर एस. राममूर्ति ने उनकी प्रशंसा की। जिला कलेक्टर ने यह विचार व्यक्त किया है कि जनभागीदारी के माध्यम से कोविद अलगाव केंद्र के किनहोळा पैटर्न को पूरे जिले में लागू किया जाएगा। इसानोलेशन सेंटर का उद्घाटन 3 मई को

सुबह 11 बजे किन्हौळा गाँव के एक वरिष्ठ और प्रतिष्ठित नागरिक प्रभु काका बाहेकर ईन के हाथो किया गया। इस आयसोलेशन सेंटर के मुख्य संकल्पक तथा स्वाभिमानी नेते रविकांत तुपकर, जिल्हाधिकारी एस.राममूर्ती, जिल्हा पोलीस अधीक्षक अरविंद चावरिया, जिल्हा आरोग्य अधिकारी डॉ. राजेंद्र सांगळे, शासकीय कोविड सेंटर के प्रभारी डॉ.सचिन वासेकर, चिखली पोलीस स्टेशनचे ठाणेदार गुलाबराव वाघ, सरपंच अर्चना वसंत जाधव मान्यवर उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित होते। आगे बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा, मैं जन भागीदारी के माध्यम से एक आयसोलेशन केंद्र स्थापित करने की पहल से अभिभूत हूं। ग्रामीणों की सराहना करने के लिए इतना नहीं है। उल्लेखनीय है कि अतिभारित जिला कलेक्टर ने स्वयं द्वार आयसोलेशन केंद्र का उद्घाटन नहीं किया था,बलके किन्होळा गाँव के वरिष्ठ नागरिक प्रभु काका बाहेकर ईनके हाथों किया गया।उपरोक्त गणमान्य व्यक्तियों ने इस समय पूरे आयसोलेशन केंद्र का निरीक्षण किया। सभी ने जगह-जगह सुविधाओं, स्वच्छता और व्यवस्था की सराहना की। जिला पुलिस अधीक्षक श्री चावरिया ने विशेष रूप से केंद्र की साफ-सफाई की प्रशंसा की।

## राजस्थान हलचल

# जमीअत उलमा बीकानेर प्लाज्मा डोनेट अभियान के तहत सैयद अब्दुल माजिद 46वें तो शराफत काका बने 47वें प्लाज्मा डोनर

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**बीकानेर।** जैसे कोविड अपना पैर पसार रहा है वैसे वैसे प्लाज्मा की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, ऐसे दौर में बीकानेर में समाजसेवी संस्थाओं ने प्लाज्मा उपलब्ध करवाने में कोई भी कसर नही छोड़ी है उन्ही संस्थाओं में पहला नाम आता है जमीअत उलमा बीकानेर का जिसने सबसे पहले बीकानेर में प्लाज्मा डोनेट अभियान चलाकर लगातार लोगों के लिए प्लाज्मा डोनर उपलब्ध करवाए हैं, उन्ही में से 2 डोनर सैयद अब्दुल माजिद और शराफत काका हैं, सैयद अब्दुल माजिद ने जहाँ अपना पहला प्लाज्मा डोनेट किया तो जमीअत उलमा बीकानेर के उपाध्यक्ष शराफत काका ने तीसरी मर्तबा प्लाज्मा देते हुवे इस बात का उदाहरण पेश किया कि दिल में हो अगर खिदमत का जज्बा तो उम्र मायने नही रखती, कल रात जब पीबीएम हॉस्पिटल में कोविड पेशेंट के लिए O+ve प्लाज्मा की जरूरत पड़ी तो शराफत काका फिर से तैयार हो गए कि अपना प्लाज्मा से किसी का जीवन बचे तो मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है,जमीअत उलमा बीकानेर के जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि शहर में जिस किसी को भी प्लाज्मा की जरूरत हो तो उनको इधर उधर भटकना ना पड़े, जमीअत उलमा बीकानेर के कार्यकर्ता लगातार लोगों से सम्पर्क साध रहे हैं, अबतक पीबीएम हॉस्पिटल में हमारी संस्था के माध्यम से 47 प्लाज्मा दिए जा चुके हैं, इस मौके पर डॉक्टर तहसीन अनवर, जमीअत उलमा के मेडिकल हैल्प सदस्य सैयद इमरान और जमीअत उलमा बीकानेर के अब्दुल कय्यूम खिलजी आदि मौजूद रहे।

## समस्तीपुर हलचल

# समस्तीपुर में बंद पड़े वेंटिलेटर चालू कर गंभीर कोरोना रोगी को बचाने का प्रयास हो: सुरेन्द्र

**संवाददाता/जकी अहमद**

**समस्तीपुर।** भाकपा माले जिला स्थाई समिति सदस्य सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर को एक ईमेल समेत वाट्सएप आवेदन देकर समस्तीपुर, दलसिंहसराय एवं पटोरी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध वेंटिलेटर को टेक्निशियन, एनेस्थेटिक कर्मी की नियुक्ति/प्रशिक्षित कर तत्काल चालू करने की मांग की है। उन्होंने आवेदन में कहा है कि कोविड काल में वेंटिलेटर से मरणासन्न मरीजों की जान बचाई जा रही है। समस्तीपुर, दलसिंहसराय एवं पटोरी अनुमंडल अस्पताल में 3-2-2 वेंटिलेटर उपलब्ध होने की जानकारी मिली है लेकिन टेक्निशियन, एनेस्थेटिक चिकित्सक/कर्मी आदि के आभाव में ये यूँ ही बेकार पड़ी हैं। परिणामस्वरूप गंभीर रोगी की रेफर के बाद अन्यत्र ले जाने के क्रम में रास्ते में उनकी अकाल मृत्यु हो जा रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि टेक्निशियन, एनेस्थेटिक कर्मी आदि का आभाव है तो प्रशिक्षु टेक्निशियन, कर्मी को तत्काल प्रशिक्षण देकर उक्त कार्य को संपादित कराकर गंभीर रोगी को जिले में ही बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

# समस्तीपुर बाजार में लॉकडाउन के आहट से बाजारों में उमड़ी भीड़

**समस्तीपुर।** सरकार का आदेश जैसे ही आया 5 मई से लगने वाला लाक डाउन को लेकर लोगो ने खरीदारी के लिए मार्केट की ओर दौड़ पड़े और देखते ही देखते मार्केट में भीड़ जमा हो गई। आज इतना भीड़ लगी के शहर में जाम का नजारा देखने को मिला। शहर में आज लोगो में जमकर शोशल डिस्टेंस का उड़ाया धज्जी कोई भी ऐसा दुकान नहीं था जहां चालीस से पचास ग्राहक न रहा हो। वहीं दुकानदारों ने भी ग्राहकों से मनमाना पैसा वसूल किया। इधर एक एंबुलेंस जाम में फंस गई जो बड़ी मुश्किल से उसे मिला रास्ता।

## मधुबनी हलचल

# दरभंगा प्रशासन द्वारा चिंहित किए गए हॉस्पिटलों में नहीं लिया जा रहा मरीज: नजरे आलम

**संवाददाता/मो सालिम आजाद**

**मधुबनी।** ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के अध्यक्ष नजरे आलम कहा के दरभंगा के चिंहित हॉस्पिटलों में मरीज से मोटी रकम लेकर जांच का पैसा लेने बाद बेड खाली नहीं है कहकर भगा दिया जा रहा है डीएम दरभंगा ये पारस का मामला है, कैसे लोग जिंदा बचेंगे...? पुछिए नीतीश जी से और जनता को इसका हल बताईए महोदय, ये तो एक हॉस्पिटल का नाम मैंने बताया है जितने प्राईवेट हॉस्पिटल हैं जिसकी लिस्ट आपने जनता के बीच रखी थी जैसे सिटी हॉस्पिटल आदि सभी का यही हाल है, सीधे मरीज लेने से इंकार किया जा रहा है। लोग इलाज के लिए कहाँ जाएं बताईए, या फिर बगैर इलाज के लोग जान गवाएंगे....? सीधे लॉकडाउन लगा दिया गया फिर समाधान कुछ भी नहीं किया गया है, अगर समय रहते इसपर काबू नहीं किया गया तो लोग इलाज के अभाव में ज्यादा मरेंगे और जनता में आक्रोश की स्थिति अलग पैदा होगी। जल्द कुछ किजिए महोदय...आपके और सरकार के आदेश के बाद भी मरीज को ऑक्सीजन और रेमडिसिविर इंजेक्शन हॉस्पिटल वाले नहीं दे रहे हैं, इसका जिम्मेदार कोन होगा जो मरीज बगैर दवा और इलाज के दम तोड़ रहे हैं?

## रामपुर हलचल

# सैनेटाइज एवं नगर के अंदर अनेकों मार्गों की साफ-सफाई के साथ किया जा रहा जागरूक

**संवाददाता/नदीम अख्तर**

**टाण्डा रामपुर।** कोरोना वायरस रोकथाम के लिए नगर के अन्दर नगर पालिका परिषद द्वारा सैनेटाइज एवं नगर के अन्दर अनेंकों मार्गे की सफाई व्यवस्था आदि का कार्य को लेकर बखूबी अन्जाम दिया जा रहा हैं कोरोना वायरस महामारी को लेकर लोगों में भय का माहौल पैदा होकर रह गया है वही पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला व अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह की द्वारा नगर के अन्दर घूमकर नगर वासियों को कोरोना बीमारी से बचाव को लेकर जागरूक किया जा रहा हैं साथ ही मास्क न लगाये जाने वालो को मास्क लगाये जाने को लेकर प्रेरित किया जा रहा हैं एवं मास्क बाटे जाने की भी व्यवस्था की जा रही हैं पुलिस विभाग द्वारा नगर के मुख्य बाजार के अन्दर जगह जगह घूमकर मास्क आदि का चैकिंग किया जा रहा हैं जिसमें नगर एवं क्षेत्र वासी अपनी सतर्कता वरतते नजर आ रहे हैं कोविड 19 के बन्दी को लेकर दुकानदार अपनी दुकानों को बन्द कर अपने अपने घरों पर आराम फरमाते नजर आ रहे हैं पुलिस एवं किसी अन्य विभाग को कठिन परिश्रम कार्यो का सामना नहीं करना पड़ रहा हैं लाकडाउन का पालन सरकार के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत ही किया जा रहा हैं इस मौके पर पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, कोतवाल माधो सिंह विष्ट, एस आई सुरेश चन्द्र, एस आई रामवीर सिंह, एस आई मनोज कुमार, डालचन्द,सल्मान अक्खू आदि समस्त न० पा० प० मौजूद रहा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# कैमिकल दवाइयां करेंगी सेहत खराब, इन घरेलू चीजों से मच्छरों को रखें दूर

बरसात का मौसम आते ही मच्छरों का आंतक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इनके काटने से डेंगू, मरेलियां जैसे बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है। मच्छरों को खुद से दूर रखने के लिए लोग कई तरह की कैमिक्ल युक्त दवाइयों को अपने शरीर पर लगाते हैं। इनसे सेहत पर गलत प्रभाव पड़ने लगता हैं। ऐसे में आप कुछ घरेलू चीजों का मिश्रण बनाकर लगा सकते हैं। इन चीजों को मिलाकर लगाने से मच्छर आपसे दूर भागेंगे। दूसरा इनका कोई साइड-इफैक्ट भी नहीं होगा।

## तो आइए जानते हैं वह कौन सी होममेड चीजें है जो मच्छरों को आपके पास नहीं आने देगा।

**1. लौंग और नारियल तेल**
मच्छरों को खुद से दूर रखने के लिए लौंग और नारियल तेल मिक्स करके अपने शरीर पर लगाएं। ऐसा करने से एक भी मच्छर आपके करीब नही आएगा क्योंकि मच्छरों को इसकी स्मैल बिल्कुल भी पसंद नहीं आती।

**2. नारियल तेल**
नीम और नारियल तेल को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को शरीर पर लगाएं। इसको लगाने से मच्छर कम से कम 8 घंटे तक आपके पास नहीं आएंगे।

**3. नींबू**
नींबू और नीलगिरी भी मच्छरों को हमारे आस-पास नहीं आने देता। एक बर्तन में बराबर मात्रा में नींबू का रस और नीलगिरी मिलाकर एक मिश्रण तैयार कर लें। इसको घर से बाहर निकलते समय या फिर रात को अपने शरीर पर लगा लें।

**4. लहसुन**
लहसुन की बदबू भी मच्छरों को बिल्कुल पसंद नही होती। लहसुन को पीसकर पानी में उबाल लें। अगर आपको इसकी बदबू से कोई परेशानी ना हो तो आप इसको अपने ऊपर स्प्रे भी कर सकते हैं।

**5. नीम का तेल**
मच्छर बाहर भगाने के लिए नीम का तेल घर के आसपास छिड़क दें। आप चाहें को इसको अपने शरीर पर भी लगा सकते हैं। इससे मच्छर भाग जाएंगे।

**6. पुदीना**
पुदीना भी मच्छरों को आपके आस-पास नहीं आने देता। पुदीने को पीसकर इसका रस निकाल लें। इसे शरीर पर लगाने से मच्छर आपसे दूर भागेंगे।

## अच्छे शौक से नहीं बनेंगे बुढ़ापे में भुलक्कड़, डिमेंशिया का खतरा भी होगा कम

अगर आप बुढ़ापे में भूलने की बीमारी से परेशान होना नहीं चाहते तो अभी से ही कुछ अच्छे शौक पालना शुरू कर दीजिए। वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया है कि जवानी में किताबें पढ़ना, खेलना और आपसी मेलजोल की आदतों से बुढ़ापे में भी दिमाग शक्तिशाली बना रहता है। इससे डिमेंशिया का जोखिम भी कम होता है। ब्रिटेन के कैमिब्रज विश्वविद्यालय के अध्धययन में पाया गया कि उम्र के साथ-साथ दिमाग का आकार भी छोटा होता जाता है लेकिन कुछ लोगों की स्मरण शक्ति और आईक्यू उम्र बढ़ने के बावजूद भी अच्छी बनी रहती है। शोधकत्ताओं का मानना है कि युवावस्था में दिमाग को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने से वह आगे भी लचीला बना रहता है। 'न्यूरोबायोलॉजी ऑफ एजिंग जर्नल' में प्रकाशित इस अध्ययन से जुड़े डॉक्टर डेनिस चान का कहना है कि हमारा दिमाग कुछ हार्डवेयर के साथ ही शुरूआत करता है लेकिन इसे ज्यादा अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। इसे संज्ञानात्मक रिजर्व कहा जाता है। उनका कहना है कि 35 से 65 साल क बीच आप जो कुछ भी करते हैं, उससे 65 की उम्र के बाद डिमेंशिया का खतरा कम या ज्यादा होता है। शोधकताओं ने 66 से 88 साल की उम्र मके 205 लोगों के दिमाग का एम.आर.आई किया।

# वैक्सिंग के दर्द को कम करने के लिए अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

शरीर के अनचाहे बालों से निजात पाने के लिए लड़कियां समय-समय पर वैक्सिंग का सहारा लेती है जो काफी मशहूर ट्रीटमेंट है। वैक्सिंग से न केवल अनचाहे बाल बल्कि डेड स्किन व टैनिंग भी निकल जाती है। अधिकतर लड़कियां वैक्सिंग के दौरान होने वाले दर्द के चलते इस ट्रीटमेंट को करवाने से बचती है। जब किसी पार्टी में शॉर्ट ड्रैस या कट स्लीव्स वाली ड्रैस पहननी हो तो अक्सर शर्मिंदी का सामना करना पड़ जाता है। अगर आप भी दर्द से बचने के लिए वैक्सिंग करवाने से बचती है तो परेशान न हो। आज हम आपको कुछ आसान से टिप्स बताएंगे जिससे वैक्सिंग का दर्द कम होगा।

1. वैक्सिंग करवाने से पहले गुनगुने पानी से नहाएं। इससे स्किन पर मौजूद बाल सॉफ्ट और स्किन के पोर्स खुल जाएंगे। शॉवर लेने के बाद वैक्सिंग करने से दर्द भी कम होगा।
2. वैक्सिंग के बाद हमेशा साफ व लूज फिटिंग वाले कपड़े पहनने। ध्यान रखें कि कपड़े हमेशा कॉटन के हो क्योंकि इससे जलन कम होगी और वैक्सिंग स्किन फ्रेश रहेगी।
3. हमेशा वैक्सिंग लगाने के बाद वैक्स स्ट्राइप को बालों की ग्रोथ के विपरीत खींचे इससे दर्द कम होगा।
4. सुनने में थोड़ा अजीब है लेकिन वैक्सिंग करवाते समय हमेशा छोटी-छोटी सांसे लें। इससे वैक्सिंग का दर्द कम होगा।
5. वैक्सिंग से पहले अपनी डेड स्किन को स्क्रबिंग के जरिए निकालें। इससे स्किन एक्सफोलिए होगी और वैक्सिंग का दर्द कम होगा।
6. वैक्सिंग के दर्द से बचना चाहते है तो पहले बॉडी को अच्छे से स्ट्रेच करें। इससे वैक्स के दौरान दर्द कम होगा।
7. अक्सर महिलाएं वैक्स करवाने से पहले कॉफी व एल्कोहल लेने की गलती कर देती है जो बिल्कुल गलत है। दरअसल, इन्हें पीने से स्किन ज्यादा सेंसटिव हो जाती है और दर्द ज्यादा होता हैं।
8. कई बार क्या होती है कि महिलाएं वैक्सिंग के बजाए शेविंग का सहारा लेती है। बाद में वैक्सिंग करवाने से दर्द ज्यादा होता है।
9. शरीर के सेंसटिव हिस्से जैसे पलकों, नाक व आईब्रो पर वैक्स न करें क्योंकि यहां की स्किन काफी संवेदनशील होती है जिस वजह से दर्द अधिक होता है।
10. बॉडी के जिस हिस्से पर चोट और सनबर्न या रूखी त्वचा हो तो वहां वैक्स न ही करवाए तो अच्छा है क्योंकि इससे जलन हो सकती है।
11. कभी भी पहले हॉट वैक्स का इस्तेमाल स्किन पर न करें। वैक्स को थोड़ा घंटा होने दें। फिर इसको बॉडी वैक्स के लिए यूज करें क्योंकि इससे स्किन जल भी सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# प्रियंका चोपड़ा ने सोनू सूद की अपील का किया समर्थन

**भारत** में कोरोनो वायरस संकट के बीच सोनू सूद अपने मानवीय प्रयासों में ज्यादा प्रयास कर रहे हैं और इस चुनौतीपूर्ण समय के बीच आवश्यकता वाले सभी लोगों की मदद करते दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा कुछ दिनों पहले उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से ये सुनिश्चित करने की भी अपील की थी कि उन बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाए जिन्होंने अपने माता-पिता को कोविड-19 में खो दिया है। अब सोनू सूद को प्रियंका चोपड़ा का समर्थन मिला है। प्रियंका चोपड़ा ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि वो सोनू सूद से प्रेरित हैं और एक समाधान के बारे में भी सोचा और कार्रवाई के लिए सुझाव भी दिए। सोनू का सुझाव राज्य और केंद्र दोनों सरकारों के लिए है कि वो कोविड से प्रभावित सभी बच्चों की मुफ्त शिक्षा सुनिश्चित करें। वो पढ़ाई के जिस भी चरण में हैं स्कूल हो या कॉलेज। प्रियंका ने आगे लिखा कि वो सोनू सूद के विचारों का पूरी तरह से समर्थन करती हैं और बच्चों के लिए शिक्षा का समर्थन करने के तरीके खोजने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करेंगी क्योंकि ये उनका जन्म से अधिकार है। वहीं केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने भी प्रियंका चोपड़ा के पोस्ट का जवाब दिया और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर साझा किया। साथ ही लिखा, कृपया 1098 पर कॉल करें। जरूरत और संकट में बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिए हर राज्य सरकार और जिला प्राधिकरण अलर्ट पर है।

# दृश्यम का बनेगा दूसरा भाग

**अजय देवगन** अभिनीत फिल्म 'दृश्यम' बेहद पसंद की गई थी और आज भी सैटेलाइट चैनल्स पर अच्छी टीआरपी इस फिल्म को मिलती है। अजय के फैंस और इस फिल्म को पसंद करने वालों के लिए खुशखबरी यह है कि फिल्म का दूसरा भाग दृश्यम 2 बनने जा रहा है। दृश्यम मलयालम फिल्म का रीमेक थी। अभिनेता मोहनलाल को लेकर दूसरा भाग हाल ही में बनाया गया है जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। अब हिंदी में इसका दूसरा भाग बनाया जाएगा। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल ने हिंदी रीमेक के राइट्स खरीदे हैं। पैनोरमा स्टूडियोज के कुमार मंगत ने कहा दृश्यम 2 की सफलता के बाद हम इस फिल्म का दूसरा भाग हिंदी में बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मलयालम दृश्यम 2 निर्देशित करने वाले जीतू जोसेफ का कहना है- मुझे खुशी है कि पैनोरम स्टूडियोज ने हिंदी रीमेक के राइट्स खरीदे हैं। अब यह फिल्म ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। दृश्यम 2 की कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां पर दृश्यम खत्म हुई थी। हिंदी दृश्यम 2 में लीड रोल कौन निभाएगा, इसकी ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है, लेकिन यह बात तय मानी जा रही है कि अजय देवगन ही लीड रोल में होंगे।

# अलाया एफ को मिली थी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने की सलाह

**खुबसुरत** दिखने के लिए कई एक्ट्रेसेस अक्सर कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेती हैं। हाल ही में बॉलीवुड में डेब्यू करने वालीं अलाया एफ को भी सर्जरी कराने की सलाह मिली थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया है। एक इंटरव्यू के दौरान अलाया ने कहा, हां, मुझे भी ये सलाह दी गई। मुझसे ऐसा कहा गया, लेकिन मैंने ये नहीं किया। मुझे लगता है कि हर कोई सोचता है, मुझे ये करना चाहिए। यह एक बहुत छोटी सी चीज है। उन्होंने कहा, मुझे तो ये भी नहीं पता कि लोग इसे देख पाते हैं। मेरी नाक का ये हिस्सा (दाहिनी ओर) सही है, इस साइड (बाईं ओर) थोड़ा सा उभरा हुआ है। यह दुनिया की सबसे छोटी चीजों में से है। मैं शायद यह कभी नहीं करूंगी क्योंकि इसका कोई प्वॉइंट नहीं है। अलाया ने यह भी बताती हैं कि ज्यादातर लोगों को यह पता भी नहीं चलता है। अलाया ने बीते साल नितिन कक्कड़ की फिल्म जवानी जानेमन से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने फिल्म में सैफ अली खान की बेटी का रोल निभाया हैं। फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहा गया।